International Year of Cooperatives

IFFCO, a proactive member of the International Cooperative Alliance (ICA), is proud to host the ICA General Assembly and Global Conference in New Delhi, India, from November 25-29, 2024. This landmark event holds great historical significance as it marks the first time in 130 years that the ICA General Assembly will be held in India. The conference will bring together over 1,500 distinguished guests from approximately 100 countries at the International Exhibition-cum-Convention Centre (IECC), also known as Bharat Mandapam, at Pragati Maidan in New Delhi. The official inauguration on November 25, 2024, will be under the esteemed patronage of the Hon'ble Prime Minister and Hon'ble Minister of Home and Cooperation, with the event concluding on November 29, 2024, with the ICA General Assembly. Several high-profile dignitaries, including government officials, global leaders, and members of the ICA, will participate, reflecting the international importance of the cooperative movement.

The conference will feature a diverse range of activities, including speeches and panel discussions from leaders of international and Indian cooperatives, workshops focusing on youth involvement in cooperatives, and an exhibition showcasing products from Indian and international cooperatives in a unique "Haat" setup reflecting the theme of Indian villages. To ensure environmental sustainability, the event will be carbon neutral and paperless wherever possible, with an ambitious initiative to plant 10,000 Peepal trees to offset the event's carbon footprint.

The event will also mark the official launch of the UN International Year of Cooperatives 2025 (UN-IYC 2025), a global initiative that will highlight the significant role cooperatives play in sustainable development, social inclusion, and economic growth. This year-long celebration will emphasize how cooperatives contribute to building more equitable economies, promoting democratic participation, and addressing global challenges like poverty and climate change. By showcasing the cooperative model, UN-IYC 2025 will inspire governments, civil society, and the global community to work together towards a more inclusive and sustainable future.

A key highlight of the event will be the launch of a commemorative postage stamp dedicated to the UN International Year of Cooperatives 2025. This stamp will symbolize the enduring impact of cooperatives on global development and their role in shaping societies worldwide. The design of the stamp incorporates symbols of both tradition and modernity, featuring a drone to represent cutting-edge agricultural technologies, traditional farming imagery to honor the roots of the cooperative movement. The stamp will serve as a lasting tribute to the cooperative movement and its contributions to global prosperity.

The launch of this commemorative stamp, supported by the Ministry of Cooperation, underscores the importance of cooperatives in India's socio-economic framework. The Ministry's involvement highlights its critical role in promoting cooperative societies and supporting their growth at the national and international levels. The stamp will also reflect India's leadership in the global cooperative movement and its commitment to advancing sustainable development through cooperative principles.

This momentous occasion will leave a lasting legacy for future generations and will further elevate the cooperative movement's profile worldwide. Through the ICA General Assembly and the commemorative stamp launch, IFFCO, ICA, and the Government of India aim to inspire cooperative leaders and members globally to continue advancing cooperative principles of unity, cooperation, and shared progress.

The stamp symbolizes the global impact of the cooperative movement, highlighting its values of mutual benefit, shared ownership, and community resilience. The stamp serves as a tribute to the cooperative model's enduring contribution to building more equitable and sustainable societies worldwide, marking a significant milestone in the history of international cooperation and India's leadership in the global cooperative sector.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Mr. Sankha Samanta
Text	:	Referenced from content provided by the proponent

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष
INTERNATIONAL YEAR OF COOPERATIVES

विवरणिका BROCHURE

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष

इफको, अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) का एक सक्रिय सदस्य है। यह संगठन 25 से 29 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली, भारत में आईसीए की आम सभा और वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करने पर गौरवान्वित है। इस ऐतिहासिक आयोजन का अत्यधिक महत्व है, क्योंकि यह 130 वर्षों में पहली बार है जब आईसीए की आम सभा का आयोजन भारत में किया जा रहा है। यह सम्मेलन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी–सह–सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी), जिसे भारत मंडपम के रूप में भी जाना जाता है, में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लगभग 100 देशों के 1,500 से अधिक गणमान्य प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री तथा माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में 25 नवंबर, 2024 को होगा और 29 नवंबर, 2024 को आईसीए की आम सभा के साथ इसका समापन होगा। तमाम सरकारी अधिकारियों, विश्व के शीर्ष स्तर के नेताओं और आईसीए के सदस्यों सहित विभिन्न प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति इसमें भाग लेंगे, इससे सहकारी आंदोलन के अंतरराष्ट्रीय महत्व का पता चलता है।

सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय और भारतीय सहकारी समितियों के शीर्ष नेतृत्व के भाषणों और पैनल चर्चाओं सहित विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। सहकारी समितियों में युवाओं की भागीदारी पर केंद्रित कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी और भारत के गाँवों की थीम पर आधारित अनूठे ''हाट'' स्थापित किए जाएंगे तथा उनमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सहकारी समितियों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए, इस आयोजन को यथासंभव कार्बनमुक्त और कागजमुक्त रखा जाएगा और इस कार्यक्रम के आयोजन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को संतुलित करने के लिए 10,000 पीपल के पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी कार्य पूरा किया जाएगा।

यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 (यूएन–आईवाईसी 2025) का आधिकारिक शुभारंभ भी करेगा, जो एक वैश्विक पहल है जिसमें सतत विकास, सामाजिक समावेश और आर्थिक वृद्धि में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशिष्ट प्रकाश डाला जाएगा। वर्ष भर चलने वाला यह कार्यक्रम इस तथ्य पर फोकस करेगा कि सहकारी समितियाँ अधिक न्यायसंगत अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण, लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ावा देने और निर्धनता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में कैसे योगदान करती हैं। इस अवसर पर सहकारी मॉडल के लाभकारी पहलुओं का आकर्षक तरीके से प्रदर्शन करके, यूएन–आईवाईसी 2025 सरकारों, नागरिक समाज और वैश्विक समुदाय को अधिक समावेशी और सतत भविष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण एक स्मारक डाक–टिकट का जारी किया जाना है जो संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 को समर्पित है। यह डाक–टिकट वैश्विक विकास पर सहकारिता के स्थायी प्रभाव और विश्व भर के समाजों को आकार देने में उनकी भूमिका का प्रतीक है। डाक–टिकट के डिजाइन में परंपरा और आधुनिकता दोनों के प्रतीक शामिल हैं, जिसमें कृषि की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक ड्रोन और सहकारी आंदोलन के मूलाधार का सम्मान करने के लिए पारंपरिक खेती की छवि को दर्शाया गया है। यह डाक–टिकट सहकारी आंदोलन और वैश्विक समृद्धि में इसके उल्लेखनीय एवं प्रभावी योगदान के प्रति एक स्थायी सम्मान का प्रतीक है।

सहकारिता मंत्रालय द्वारा समर्थित इस स्मारक डाक–टिकट का विमोचन भारत के सामाजिक–आर्थिक ढांचे में सहकारिता के महत्व को रेखांकित करता है। मंत्रालय की भागीदारी सहकारी समितियों को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके विकास का समर्थन करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को सामने लाती है। यह डाक–टिकट वैश्विक सहकारी आंदोलन में भारत के नेतृत्व और सहकारी सिद्धांतों के माध्यम से सतत विकास को आगे बढ़ाने की इसकी प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करता है।

यह महत्वपूर्ण अवसर भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ जाएगा और विश्व भर में सहकारी आंदोलन की छवि को और ऊंचे स्तर पर ले जाएगा। आईसीए की आम सभा और स्मारक टिकट को जारी करके इफको, आईसीए और भारत सरकार का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सहकारी नेताओं और सदस्यों को एकता, सहयोग और साझा प्रगति के सहकारी सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है।

यह डाक टिकट सहकारी आंदोलन के वैश्विक प्रभाव का प्रतीक है, जो पारस्परिक लाभ, साझा स्वामित्व और सामुदायिक लचीलेपन के इसके मूल्यों को हम सबके सामने रखता है। यह डाक टिकट विश्व भर में अधिक न्यायसंगत और सतत समाजों के निर्माण में सहकारी मॉडल के स्थायी योगदान को मान्यता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहकारी क्षेत्र में भारतीय नेतृत्व के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आभार:

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे पाठ : श्री शंख सामंत

: प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 302800
Stamps Printed	: 302800
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00